मत ले रे जीवड़ा नींद हरामी चेतावनी भजन लिरिक्स

मत ले रे जीवड़ा नींद हरामी,
नींद आलसी,
थोड़ा जीवणा रे खातिर,
काई सोवे।bd।

इण क्या में घोर अन्धेरो,
पर घर दिवला काई जोवे,
मत ले रे जिवडा नींद हरामी,
नींद आलसी,
थोड़ा जीवणा रे खातिर,
काई सोवे।bd।

इण काया में खान हीरा री,
कर्म कांकरिया ने काई रोवे,
मत ले रे जिवडा नींद हरामी,
नींद आलसी,
थोड़ा जीवणा रे खातिर,
काई सोवे।bd।

इण काया मे बाग चंदन रो,
बीज बावलिया रो काई बोवे,
मत ले रे जिवडा नींद हरामी,
नींद आलसी,
थोड़ा जीवणा रे खातिर,
काई सोवे।bd।

इण काया में सागर भरियो,
कादा में कपड़ा काई धोवे,
मत ले रे जिवडा नींद हरामी,
नींद आलसी,
थोड़ा जीवणा रे खातिर,
काई सोवे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

कहत कबीर राम ने भज ले,
अंत समय मे पड़ियो रोवे,
मत ले रे जिवडा नींद हरामी,
नींद आलसी,
थोड़ा जीवणा रे खातिर,
काई सोवे।bd।

मत ले रे जीवड़ा नींद हरामी,
नींद आलसी,
थोड़ा जीवणा रे खातिर,
काई सोवे।bd।

– गायक एवं प्रेषक –
श्यामनिवास जी।
9024989481

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com